समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

इंग्लैडं सीरीज से पहले गौतम गंभीर पहुंचे मां कामाख्या के दरबार, माथे पर तिलक और गले मे चुंनरी।

Publisher

Published on 26 May 2025

कोच बनने के बाद पहली विदेशी टेस्ट सीरीज जीत की तलाश मे गंभीर ने मां कामाख्या से मांगी जीत की दुआ

गुवाहाटी, 27 मई 2025: टीम इंडिया के **हेड कोच गौतम गंभीर** सोमवार को **मां कामाख्या मंदिर** पहुंचे और शक्ति पीठ में दर्शन किए। माथे पर तिलक, गले में चुनरी और श्रद्धा से लबरेज़ नजर आ रहे गंभीर ने आगामी **इंग्लैडं टेस्ट सीरीज** में सफलता के लिए प्रार्थना की। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत की टेस्ट टीम **20 जून से इंग्लैडं के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज** खेलने जा रही है।

गौरतलब है कि यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत मानी जा रही है, और कोच गंभीर के लिए भी यह एक बड़ी परीक्षा होगी।

अब तक कैसा रहा गंभीर का कोचिंग रिकॉर्ड ?
गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत ने अब तक 3 टेस्ट सीरीज खेली है:
१. बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में 2-0 से जीत
२. न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में 0-3 से हार
३. ऑस्ट्रेलिया से 1-3 की हार
इन नतीजों के बाद टीम इंडिया की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं डगमगा गई थीं।

अब कमान शुभमन गिल के हाथों मे ं

विराट कोहली और रोहित शर्मा की टेस्ट से संन्यास के बाद अब कप्तानी **शुभमन गिल** को सौंपी गई है, जबकि **ऋषभ पंत** उपकप्तान बनाए गए हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में **करुण नायर** और **शार्दुल ठाकुर** की वापसी हुई है, वहीं **सरफराज खान, हर्षित राणा,** और **मोहम्मद शमी** टीम से बाहर हो गए हैं।

मां कामाख्या मंदिर : आस्था और शक्ति का प्रतीक

कामाख्या मंदिर असम के गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित है और इसे **51 शक्तिपीठों** में से एक माना जाता है। माना जाता है कि यहां मां सती का गर्भ गिरा था और यह स्थान स्त्री शक्ति की आराधना का केंद्र है। क्रिकेट से लेकर राजनीति तक, कई दिग्गज इस मंदिर में आशीर्वाद लेने आते रहे हैं।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.